दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 29 अगस्त 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 331

महत्वपूर्ण एवं खास

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो कांवड़ियों की मौत

अजमेर (आरएनएस)। राजस्थान में अजमेर के निकटवर्ती तीर्थराज पुष्कर के समीपवर्ती ग्राम तिलोरा के निकट बाड़ी घाटी के नजदीक अज्ञात वाहन की टक्कर से दो कावडिय़ों की दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नजदीकी टंकी पूरा थांवला के 15 से 20 कावडिय़े पुष्कर पवित्र सरोवर का जल लेकर रात 12 बजे थांवला के लिये रवाना हुए, जहां थांवला शिवालय में आज सावन के आखरी सोमवार को शिवाभिषेक तथा सहस्त्रधारा करना था लेकिन रात दो बजे बाद किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो कावडिय़े हादसे के शिकार हो गए। घटना की सूचना पर पुष्कर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों को रात ही राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया । मृतकों में हेमराज बावरी (16) तथा गणपतलाल बावरी (25) थांवला निवासी हैं । घटना में मौत की सूचना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया।

सफाई कर रही महिला सफाई कर्मी को बस ने कुचला, मौत

हैदराबाद (आरएनएस)। हैदराबाद में सोमवार को सडक़ पर सफाई करते समय एक निजी बस की चपेट में आने से एक महिला सफाई कर्मचारी की मौत हो गई। यह घटना शहर के मध्य रामकोटे इलाके में हुई। पीडिता की पहचान ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की कर्मचारी डी. सुनीता (35) के रूप में हुईजीएचएमसी अधिकारियों के अनुसार, सुनीता सडक़ पर झाड़ू लगा रही थी तभी अयान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की बस ने उसे टक्कर मार दी। उसे गंभीर चोटें आईं और सरकारी उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। दुर्घटना सुबह करीब 7.30 बजे हुई, सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि महिला फुटपाथ पर झाड़ू लगा रही थी, तभी एक तेज रफ्तार बस उसे टक्कर मार देती है और एक पेड़ से टकराकर रुक जाती है। जीएचएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि बस चालक की लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटना हुई। जीएचएमसी अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। अधिकारियों ने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का आश्वासन दिया।

असम में हाई वोल्टेज की चपेट में आने से हाथी की मौत

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम के उदलगुरी जिले में सोमवार को एक जंगली हाथी हाई वोल्टेज बिजली के तार की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना सोमवार तडक़े जिले के हाथीगढ़ इलाके में एक निजी चाय बागान में हुई, जो भारत-भूटान सीमा से ज्यादा दूर नहीं है। उदलगुरी के प्रभागीय वन अधिकारी दिबाकोर दास ने बताया, हाथी भोजन की तलाश में जंगल से बाहर आया और जब वह कुछ खाद्य पदार्थ इकट्ठा कर रहा था, तो वह हाई वोल्टेज बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। दुर्भाग्य से हाथी की मौके पर ही मौत हो गई। खबर मिलते ही वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग के अनुसार यह घटना सोमवार सुबह 3:45 बजे के आसपास हुई। मरने वाला हाथी वयस्क था। वहीं, इस महीने की शुरुआत में गुवाहाटी के बाहरी इलाके में बिजली का झटका लगने से तीन हाथियों की मौत हो गई थी। यह घटना कामरूप (ग्रामीण) जिले के अंतर्गत आने वाले रानी टी एस्टेट में हुई थी।

भारत का पहला सूर्य मिशन सितंबर के पहले सप्ताह में होगा लॉन्च, साथ ले जाएगा 7 वैज्ञानिक पेलोड

चेन्नई (आरएनएस)। भारत का पहला सौर अन्वेषण मिशन आदित्य-एल1 उपग्रह सूर्य की सतह का व्यवस्थित अध्ययन करने के लिए देश में विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित सात वैज्ञानिक पेलोड ले जाएगा। जो सितंबर के पहले सप्ताह में लॉन्च किया जाएगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि आदित्य एल-1 के साथ 7 पेलोड (नीतभार) भी अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे। ये पेलोड सूरज की प्रकाशमंडल, वर्णमंडल और सबसे बाहरी परत का अध्ययन करेंगे। सात में से चार पेलोड लगातार सूर्य पर नजर रखेंगे,जबकि तीन पेलोड परिस्थितियों के हिसाब से कणों और मैग्नेटिक फील्ड का अध्ययन करेंगे।

इसरो ने कहा कि आदित्य-एल1 मिशन के साथ सूर्य का व्यवस्थित अध्ययन करने के लिए सात वैज्ञानिक पेलोड ले जाएगा। इसके अलावा विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ (वीईएलसी) सौर कोरोना और कोरोनल मास इजेक्शन की गतिशीलता का अध्ययन करता है। अंतरिक्ष यान वैद्युत-चुम्बकीय और कण और चुंबकीय क्षेत्र संसूचकों का उपयोग करके फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर और सूर्य की सबसे बाहरी परतों (कोरोना) का निरीक्षण करने के लिए सात नीतभार ले जाएगा।

विशेष सहूलियत बिंदु एल1 का उपयोग करते हुए, चार नीतभार सीधे सूर्य को देखते हैं और शेष तीन नीतभार लाग्रेंज बिंदु एल1 पर कणों और क्षेत्रों का यथावस्थित अध्ययन करते हैं, इस प्रकार अंतर-ग्रहीय माध्यम में सौर गतिकी के प्रसार प्रभाव का महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अध्ययन प्रदान करते हैं। सौर अल्ट्रा-वायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (एसयूआईटी) पेलोड अल्ट्रा-वायलेट (यूवी) के निकट सौर प्रकाशमंडल और क्रोमोस्फीयर की तस्वीरें लेता है और यूवी के निकट सौर विकिरण भिन्नता को भी मापता है।

आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (एएसपीईएक्स) और प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज फॉर आदित्य (पीएपीए) पेलोड सौर पवन और ऊर्जावान आयनों के साथ-साथ उनके ऊर्जा वितरण का अध्ययन करते हैं। सोलर लो एनर्जी एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर और हाई एनर्जी एल1 ऑर्बिटिंग एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर विस्तृत एक्स-रे ऊर्जा रेंज में सूर्य से आने वाली एक्स-रे फ्लेयर्स का अध्ययन करते हैं। मैग्नेटोमीटर पेलोड एल1 बिंदु पर अंतरग्रहीय चुंबकीय क्षेत्र को मापने में सक्षम है। आदित्य-एल1 के विज्ञान पेलोड देश में विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं।

वीईएलसी उपकरण भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बैंगलोर में, इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे में,एसयूआईटी उपकरण, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद में,एएसपीईएक्स उपकरण, अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतपुरम में, पापा पेलोड, सोलेक्स और हेल1ओएस पेलोड यू आर राव सैटेलाइट सेंटर, बेंगलुरु में और मैग्नेटोमीटर पेलोड इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स सिस्टम प्रयोगशाला, बैंगलोर में विकसित किया गया है। सभी पेलोड इसरो के विभिन्न केंद्रों के निकट सहयोग से विकसित किए गए हैं।

सूर्य के अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न आकाशगंगाओं के तारों के बारे में जानकारी प्राप्त करना : इसरो

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) आने वाले दिनों में पीएलएसवी का उपयोग करके नियोजित आदित्य-एल1 उपग्रह के साथ सूर्य की गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए अपने पहले सौर खोजपूर्ण मिशन की तैयारी कर रहा है। इसरो ने कहा कि सूर्य के अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न अन्य आकाशगंगाओं के तारों के बारे में जानकारी प्राप्त करना है। इसरो ने कहा कि सूर्य निकटतम तारा है और इसलिए अन्य सितारों की तुलना में अधिक विवरण के लिए इसका अधिक अध्ययन किया जा सकता है। इसरो ने कहा, सूर्य का अध्ययन करके हम अपनी आकाशगंगा में तारों के बारे में बहुत कुछ जान सकते हैं साथ ही विभिन्न अन्य आकाशगंगाओं में सितारों के बारे में भी पता लगा सकते हैं। इसरो ने कहा, सूर्य एक बहुत ही गतिशील तारा है जो हम जो देखते हैं उससे कहीं अधिक फैला हुआ है। यह कई विस्फोटक घटनाएं दिखाता है और सौर मंडल में भारी मात्रा में ऊर्जा छोड़ता है। यदि ऐसी विस्फोटक सौर घटनाएं पृथ्वी की ओर निर्देशित होती हैं, तो यह पृथ्वी के निकट अंतरिक्ष वातावरण में विभिन्न प्रकार की खलबली भी मचा सकता है। इसरो न कहा कि विभिन्न अंतरिक्ष यान और संचार प्रणालियाँ ऐसी गड़बड़ी पैदा कर सकता हैं और इसलिए पहले से ही सुधारात्मक उपाय करने के लिए ऐसी घटनाओं के घटित होने से पहले प्रारंभिक चेतावनी महत्वपूर्ण है। इनके अलावा, यदि कोई अंतरिक्ष यात्री सीधे सूर्य के तेज के संपर्क में आता है, तो उसका जीवन खतरे में पड़ जाएगा। सूर्य पर विभिन्न तापीय और चुंबकीय घटनाएं अत्यधिक प्रकृति की हैं।

उड़ती फ्लाइट में 2 साल की बच्ची के लिए देवदूत बने पांच डाक्टर, ओपन हार्ट सर्जरी करके बचाई जान

नई दिल्ली (आरएनएस)। विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट यूके-814 में डाक्टरों ने एक 2 साल की बच्ची की जान बचाकर कमाल कर दिया। ये पांच डाक्टर इस फ्लाइट में सफर कर रहे थे। एम्स के ये पांचों पांच वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर इंडियन सोसाइटी फॉर वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की बैठक में भाग लेकर दिल्ली लौट रहे थे। रविवार शाम बेंगलुरु से विस्तारा की यूके-814 फ्लाइट दिल्ली के लिए उड़ी। उड़ती फ्लाइट में इमरजेंसी कॉल की घोषणा की गई। 2 साल की बच्ची जो कि सियानोटिक बीमारी से पीड़ित थी, वह बेहोश थी। बच्ची की हालत बिगड़ गई, इस दौरान उसकी पल्स गायब थी और हाथ-पैर भी ठंडे पड़ गए थे। तभी फ्लाइट में मौजूद एम्स के डॉक्टर मदद के लिए आगे आए। मौजूद डॉक्टर्स ने बच्ची का सीपीआर शुरू किया और उनके पास जो भी संसाधन मौजूद थे, उसके साथ काम किया गया।

इस दौरान फ्लाइट में ही आईवी कैनुला दिया गया और डॉक्टर्स ने इमरजेंसी प्रोसेस को स्टार्ट किया। मुश्किल तब बढ़ी जब इस इलाज के दौरान ही बच्ची को कार्डिएक अरेस्ट हुआ और बाद में ईईडी का इस्तेमाल हुआ. इस दौरान करीब 45 मिनट तक डॉक्टरों ने बच्ची का ट्रीटमेंट किया। इस दौरान उनके पास जो भी संसाधन थे उनके यूज से बच्ची की जान बचा ली गई। जिन पांच डाक्टरों ने बच्ची की जान बचाई वे पांच डॉक्टर डॉ नवदीप कौर- एसआर एनेस्थीसिया, डॉ. दमनदीप सिंह- एसआर कार्डियक रेडियोलॉजी, डॉ. ऋषभ जैन- पूर्व एसआर एम्स रेडियोलॉजी, डॉ. ओइशिका- एसआर ओबीजी, डॉ. अविचला टैक्सक- एसआर कार्डियक रेडियोलॉजी हैं।

आत्महत्या फैक्ट्री बनी कोटा : पांच घंटे के भीतर दो छात्रों ने की खुदकुशी, इस साल अब तक 22 छात्र दे चुके है जान

जयपुर (आरएनएस)। कोटा में परीक्षा में कम अंक आने पर एक ही दिन में पांच घंटे के भीतर दो छात्रों ने आत्महत्या कर ली। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कोटा में इस साल अब तक 22 छात्र अपनी जान दे चुके हैं। एएसपी भगवत सिंह हिंगड़ ने बताया कि दोपहर करीब तीन बजे रविवार को लातूर (महाराष्ट्र) निवासी आविष्कार संभाजी कासले (16) ने कोटा के एक कोचिंग इंस्टीट्यूट की छठी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। कासले तीन साल से शहर के तलवंडी इलाके में रह रहा था और वह राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) की तैयारी कर रहा था।

वह परीक्षा देने के लिए दिन में कोचिंग सेंटर आया था। दूसरी घटना में, बिहार के 18 वर्षीय आदर्श को रविवार शाम को शाम करीब 7 बजे अपने कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया। आदर्श चार महीने से अपने भाई-बहन के साथ कोटा के कुन्हाड़ी इलाके में रह रहा था और नीट की तैयारी भी कर रहा था।

एएसपी ने बताया कि रविवार को परीक्षा देने के बाद आदर्श आया और सीधे अपने कमरे में चला गया। शाम करीब 7 बजे जब उसकी बहन उसे खाने के लिए बुलाने आई, तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। इस पर बहन ने अपने दूसरे भाई को बताया और वे कुछ देर तक दरवाजा खटखटाते रहे। जब उन्होंने दरवाजा तोड़ा, तो आदर्श को फंदे पर लटका हुआ मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बचाया नहीं जा सका।

पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला है कि आदर्श को कोचिंग इंस्टीट्यूट के टेस्ट में लगातार कम नंबर मिल रहे थे। एएसपी ने कहा कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और उसके कमरे की जांच की जाएगी। 12 अगस्त को कोटा कलेक्टर ओपी बुनकर ने गाइडलाइन जारी कर कोचिंग संचालकों और सेंटरों को निर्देश दिए थे कि रविवार को टेस्ट नहीं कराए जाएं। इसके बावजूद, रविवार को कराए गए टेस्ट के बाद दो दुखद घटनाएं हुईं।

बुनकर ने रविवार रात नया आदेश जारी किया। इसके तहत किसी भी कोचिंग संस्थान को दो महीने तक छात्रों के लिए परीक्षण आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस महीने में शिक्षा नगरी में इसके पहले ही चार आत्महत्याएं हो चुकी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी आज 51,000 युवाओं को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र, देश भर में 45 जगहों पर लगेगा रोजगार मेला

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रोजगार मेले के तहत 51000 से ज्यादा युवाओं को जॉइनिंग लेटर सौंपेंगे। रोजगार मेला देश में 45 जगहों पर आयोजित किया जाएगा। इस दौरान ककरू युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित भी करेंगे।

पीएमओ के मुताबिक आज देश भर में 45 स्थानों पर रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इस रोजगार मेले में केंद्रीय गृह मंत्रालय केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल, असम राइफल्स, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ-साथ दिल्ली पुलिस में कर्मियों की भर्ती की गई है।

देशभर से चुने गए नए कर्मी केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत विभिन्न संगठनों में कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी), सब-इंस्पेक्टर (जनरल ड्यूटी) और नॉन-जनरल ड्यूटी कैडर पदों जैसे विभिन्न पदों पर शामिल होंगे। पीएमओ ने कहा कि सीएपीएफ के साथ-साथ दिल्ली पुलिस को मजबूत करने से इन बलों को आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद का मुकाबला करने, उग्रवाद, वामपंथी उग्रवाद का मुकाबला करने और राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा करने में सहायता करने जैसी अपनी बहुआयामी भूमिका को अधिक प्रभावी ढंग से निभाने में मदद मिलेगी।

पीएमओ ने कहा कि रोजगार सृजन को मुख्य प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पूरी करने की दिशा में यह रोजगार मेला महत्वपूर्ण कदम है। उसने कहा कि रोजगार मेला रोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। नवनियुक्त कर्मियों को कर्मयोगी प्रारंभ मॉड्यूल के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा।

जनधन योजना की अगुवाई में डिजिटल बदलाव से वित्तीय समावेशन में आई क्रांति : सीतारमण

नई दिल्ली (आरएनएस)। सभी देशवासियों विशेषकर बैंकिंग सेवायें से वंचितों को वित्तीय तंत्र की मुख्य धारा में शामिल करने और वित्तीय समावेशन को गति देने के उद्देश्य से शुरू की गयी 'प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई)' के राष्ट्रीय मिशन के सफल कार्यान्वयन के आज नौ साल पूरे हो गए हैं और अब इस मिशन के तहत 50 करोड़ से अधिक खाते खुले हैं जिनमें 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से इस योजना की घोषणा की थी और 28 अगस्त 2014 को इसकी शुरूआत की गयी।

इस योजना के नौ वर्ष पूर्ण होने के मौके पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पीएमजेडीवाई की अगुवाई में ठोस उपायों के 9 साल के महत्वपूर्ण दौर और डिजिटल बदलाव ने भारत में वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी है। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि जन धन खाते खोलकर 50 करोड़ से भी अधिक लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाया गया है। इन खातों में से लगभग 55.5 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं, और 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण/अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। इन खातों में कुल जमा राशि बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक हो गई है। इसके अलावा, इन खातों के लिए लगभग 34 करोड़ 'रुपे कार्ड' बिना शुल्क के जारी किए गए हैं, जिसके तहत 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि समस्त हितधारकों, बैंकों, बीमा कंपनियों और सरकारी अधिकारियों के आपसी सहयोग से पीएमजेडीवाई एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभर कर सामने आई है, जो देश में वित्तीय समावेशन के परिदृश्य को प्रधानमंत्री की पिरकल्पना के अनुरूप पूरी तरह से बदल रही है।

अयोध्या से आए संतों को नूंह जाने से रोका, टोल पर अनशन, वीएचपी के 11 लोगों को ही जलाभिषेक की अनुमति

नूंह (आरएनएस)। हरियाणा के नूंह फिर से तनाव बढ़ गया है। हिंदू संगठन आज बृजमंडल शोभायात्रा निकालने पर अड़े हैं। वहीं, प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी है। इतना ही नहीं बाहरियों के भी नूंह आने पर रोक लगा दी गई है। जिले में पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। राज्य और जिले की सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

इसी कड़ी में प्रशासन ने वीएचपी के 11 लोगों को नलहड़ महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने की अनुमति दे दी है। वीएचपी का कहना है कि शांतिपूर्ण तरीके से 11 लोग शोभायात्रा में शामिल होंगे। अयोध्या से आए संत जगद्गुरु परमहंस आचार्य महाराज को प्रशासन ने सोहना टोल प्लाजा पर रोक लिया। परमहंस आचार्य नूंह में शोभायात्रा में हिस्सा लेने के लिए जा रहे थे। परमहंस महाराज ने कहा, मैं अयोध्या से यहां आया हूंज् प्रशासन ने हमें यहां रोक दिया है, वे हमें आगे नहीं बढऩे दे रहे हैं और न ही वे हमें वापस जाने दे रहे हैं। इसलिए मैं यहीं आमरण अनशन कर रहा हूं।

नूंह में प्रशासन ने एहतियातन स्कूल, कॉलेज और बैंकों को बंद रखने का आदेश दिया है। इतना ही नहीं इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाओं को निलंबित कर दिया गया। नूंह में धारा 144 लागू कर दी गई है, इसके तहत सोमवार तक एक क्षेत्र में चार या अधिक लोगों के इक_ा होने पर रोक लगा दी गई है। नूंह के नल्हड़ शिव मंदिर के 1.5 किलोमीटर क्षेत्र तक भारी संख्या में पुलिसबल तैनात किया गया है। इसी मंदिर पर शोभायात्रा के दौरान 31 जुलाई को हिंसा फैली थी। आज यहां सिर्फ स्थानीय लोगों को देखकर एंट्री दी जा रही है।

पहली बार जन्मभूमि मंदिर परिसर के बाहर लगाई जाएगी स्क्रीन

❐ मंडलायुक्त की पहल पर सहमत हुआ श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान

मथुरा (आरएनएस)। श्रीकृष्ण जन्म स्थान मंदिर परिसर के बाहर भी स्क्रीन इस बार बडी स्क्रीन लगाई जाएंगी जिससे श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का सीधा प्रसारण देखने की सुविधा मिल सके। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अब मंदिर के अंदर के साथ ही बाहर भी स्क्रीन पर जन्म के लाइव दर्शन होंगे। इस वर्ष पहली बार मंदिर के बाहर कई स्थानों पर लाइव टेलीकास्ट के लिए स्क्रीन लगाई जाएंगी। ये व्यवस्था मंडलायुक्त रितू माहेश्वरी के निर्देश पर की जाएगी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी के मुताबिक हम मंदिर के अंदर पहले भी स्क्रीन लगाते थे, इस बार मंदिर के बाहर भी लगाएंगे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर अपने आराध्य के प्राकट्य का साक्षी बनने की लालसा लिए लाखों श्रद्धालु कान्हा की नगरी की ओर चल पडते हैं। पहनावे, भाषा, रंग रूप में अलग होते हुए भी सब के मन में एक ही लालसा रहती है कि वह अपने आराध्य प्रभु श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के साक्षी बन कर जीवन को धन्य कर लें। इस क्षण को अपनी आखों में बसाने के लिए श्रीकृष्ण जन्मस्थान के भागवत भवन, मंदिर परिसर और मंदिर के बाहर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ जुट जाती है। भागवत भवन में सीमित स्थान होने के चलते जैसे जैसे मध्यरात्रि के समय निकट आता है भीड़ का दबाव बढऩे लगता है। हर कोई इस क्षण पर भागवत भवन के अंदर मौजूद रहने की कामना पाले होता है। लेकिन सभी भक्तों की यह मुराद पुरी नहीं होती है। भीड के दबाव को नियंत्रित करने के साथ ही यह प्रयास भी किया जा रहा है कि यहां पहुंचने वाले सभी श्रद्धालुओं को कान्हा के जन्म अभिषेक का साक्षी बनने का मौका मिले। मथुरा दौरो पर आईं मंडलायुक्त के साथ बैठक में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने इस पर सहमति जताई है। अब तक केवल मंदिर के अंदर ही स्क्रीन लगाई जाती थीं। मंडलायुक्त रितू माहेश्वरी ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के लोगों के साथ भी बैठक की थी। उनसे मंदिर की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली गई। उन्हें बताया गया कि कान्हा के जन्म का उत्सव भागवत भवन में मनाया जाता है। मंडलायुक्त ने इस बार मंदिर के बाहर भी लाइव दर्शन के लिए स्क्रीन लगाये जाने की बात कही। ये स्क्रीन कई स्थानों पर लगाई जाएंगी, इससे मंदिर के बाहर खड़ी भीड़ में अफरा-तफरी नहीं मचेगी और वह आराम से जन्मोत्सव का आनंद ले सकेंगे। बताया गया है कि इस पर मंदिर प्रबंधन ने भी सहमति जता दी।